

PAPER-III
RAJASTHANI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

D 4 3 1 0

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

RAJASTHANI
राजस्थानी

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : औ प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकां रौ है अर इणमें **चार (4)** खण्ड है । परीक्षार्थियां नै इणमें दियोड़ा सवालां रा जबाब हरेक खण्ड में दियोड़ा निर्देशां मुजब देवणा है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks, each to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इण खण्ड में **बीस-बीस (20)** अंकां रा **दो** निबन्धात्मक प्रश्न है । हरेक प्रश्न रौ जबाब लगैतगै **पांच सौ (500)** सबदां मांय देवणौ है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. किणी अेक विषय माथै पांच सौ सबदां रौ आलेख लिखौ :

(अ) राजस्थानी काव्य परम्परा में निर्गुण भगति ।

(ब) राजस्थानी लोक संस्कृति ।

(स) आधुनिक राजस्थानी नाटक ।

2. क्कणी अेक वलषय ढाथै ढांच सौ सबदां रौ आलेख ललखौ :

(अ) राजस्थानी भाषा री संवैधानलक ढान्यता ।

(ब) राजस्थानी सन्त सम्प्रदाय ।

(स) राजस्थानी काव्य ढें राष्ट्रवादी चेतना ।

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इण खंड मे पन्दरै-पन्दरै (15) अंकां रा तीन (3) प्रश्न है । हरेक प्रश्न रौ जबाब लगैटगै तीन सौ (300) सबदां में देवणौ है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. राजस्थानी भाषा रै उद्भव नै समझावता थकां उणरी खास बोलियां रौ परिचै देवौ ।
4. राजस्थानी साहित्य रौ मध्यकाल स्वर्णकाल क्यू मानीजै, स्पष्ट करौ ।
5. राजस्थानी लोक जीवन में कहावतां रै महत्व नै समझावौ ।

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इण खण्ड में **दस-दस (10-10)** अंकां रा **नौ (9)** प्रश्न है । हरेक प्रश्न रौ जबाब लगैटगै **पचास (50)** सबदां में देवणौ है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. “अचलदास खीची री वचनिका” रै भाव पक्ष नै समझावौ ।

7. लोक कथा अर लोक गाथा रौ अन्तर स्पष्ट करौ ।

8. राजस्थानी लोक नाट्य तुरा कलंगी रौ स्वरूप स्पष्ट करौ ।

9. चिरजा किणनै कैवै ।

10. भणत रौ अरथ बतावौ ।

11. सिलोका रौ अरथ समझावौ ।

12. 'छबकाळ' काव्य दोष रौ लक्षण उदाहरण देय नै समझावौ ।

13. 'साणोर' छन्द रौ लक्षण लिखौ ।

14. 'हंसाउली' री कथावस्तु बतावौ ।

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इण खण्ड में नीचे लिखिया अवतरण माथै आधारित **पांच (5)** सवाल है । हरेक सवाल रौ जबाब लगैटगै **तीस (30)** सबदां मांय देवौ । हरेक सवाल **पांच (5)** अंकां रौ है । (5 × 5 = 25 अंक)

साहित्य रौ काम समाज में थरपीजियोड़ा जीवण मूल्यां नै वांरी व्यापकता में बरत उण सूं उपजण वाळी अनुभूति नै आपरै सामाजिक ताई पूगावणौ है । अनादिकाल सूं आवेग कविता रै केन्द्र में रैयौ है अर आज ई वो कविता रौ महताऊ हिस्सौ बणियोड़ौ है । जुग रै अनुरूप उणरी ठौड़ ई बदळती रैई है, कदेई वो करुणा बण सांम्ही आवे तौ कदेई दया बणनै । कठै ई वो रहस बणावतौ दीखे तौ कठैई भेद खोलतौ । इण समाज में मरणौ मंगळ गिणीजै स्यात् इणी सारूं इण समाज में मरणौ अेक उच्छब रै रूप सांम्ही आवै । मौत नै बिड़दावण रौ औ रूप फगत अठै री कविता में ई देखण नै मिळै । सनातन परम्परा में मौत नै जकौ मोक्ष रौ रूप मानीजियौ है वो इज आपरै बदळियोड़ै रूप अठै रै साहित्य में देखण नै मिळै । राजस्थानी कविता परम्परा अठै री जमीन, अठै रै परिवेस, अठै रै जीवण सूं गैरी जुड़ियोड़ी है । औ जुड़ाव कोरी भावुकता नीं है, औ समस्टि सारूं व्यस्टि रौ समरण है । आ कविता परम्परा इतियास अर इतियास में ढबियोड़ै बगत रै दबाव सूं खुद नै अर आपरै बगत नै मुगत करण नै खपै । वा बगत में जलम लेय बगत सूं बारै निकळ जावै अर आवण वाळी पीढ़ियां री स्मृति नै जगावै ।

ऊपर लिखियोड़ै गद्यांस रै आधार माथै नीचे लिखिया सवालां रा पडूत्तर देवौ :

15. साहित्य रौ काम काई है ?

16. अनादिकाल सून कविता रै केन्द्र में किसौ भाव रैयौ है ?

17. राजस्थानी कविता में मिरतु रौ रूप काई है ?

18. राजस्थानी कविता रौ आपरै परिवेस सूं जुड़ाव कैडौ है ?

19. आ कविता परम्परा काँई करै ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date